संपादक के नोट

मैं मेरे प्रभु और मुक्तिदाता येशू मसीह के नाम से आप सभी का अभिवादन करती हूँ। मैं विश्वास करती हूँ आप सभी अपने खुद के घरों में सुरक्षित हैं और आराम कर रहे हैं। लेकिन बहुत–से हैं जिनका खुद का घर नहीं।

जब येशू ने इस संसार को छोड़ा तब उसने कहा, "मेरे पिता के घर में रहने के बहुत–से–स्थान हैं। यदि न होते, तो मैं तुमसे कह देता, क्योंकि मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने जाता हूं। और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिए जगह तैयार करूँ तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊँगा कि जहाँ मैं हूँ, वहाँ तुम भी रहो,"

स्वर्ग में कई भवन हैं। हम सिय्योन पर्वत की ओर देखें, और येशू के साथ उनके सामने सिर पर उनके पिता का नाम लिखा एक सौ और चौवालीस हज़ार थे।

अब हम में नई यरूशलेम की ओर देखें, परमेश्वर की ओर से स्वर्ग से नीचे आ रहा है एक दुल्हन के रूप में तैयार की गई अपने पति के लिए।

प्रकाशितवाक्य **२१:२** – फिर मैंने पवित्र नगरी, नए यरूशलेम को परमेश्वर की ओर से स्वर्ग से उतरते देखा; वह ऐसी सजाई गई थी जैसी दुल्हिन अपने पति के लिए सिंगार किए हो।

सब जातियाँ उसके प्रकाश में चलेंगी, और पृथ्वी के राजा अपने प्रताप को उसमें लगाएंगे। उस नगर को सूर्य और चांद के प्रकाश की आवश्यकता नहीं, क्योंकि परमेश्वर की महिमा ने उसे आलोकित किया है और मेमना उसका दिपक है। जब हम नए आकाश को देखेंगे, हम गवाहों के बादल से घेरे होंगे।

इसी तरह हमारे प्रभु ने पवित्र–शास्त्र में स्वर्ग के विभिन्न स्थानों के बारे में बात की है। अगर यह दुनिया जो प्रभु ने छह दिनों में बनाया इतना सुंदर है तो कितना अधिक सुंदर होगा वह जगह जो प्रभु उसके दुल्हन के लिए तैयार करता है। पिता के घर में पुराने नियम के संतों ने जिन्होने विश्वास द्वारा जय पाया हैं वें अब्राहाम के गोद में आएँगे।

जिन्होने दिन और रात इसहाक के जैसे परमेश्वर के नियमों पर ध्यान किया वें इसहाक के गोद में इकट्ठे किए जाएँगे। जो प्रार्थना से जीते गए हैं वें

याकूब के गोद में इकट्ठे किए जाएँगे। जो हनोक जैसे परमेश्वर के साथ चलें हैं वें हनोक के गोद में आएँगे।

यें सारे पुराने नियम के संत प्रभु के पास उसके मित्र समान आएँगे। लेकिन हम प्रभु के दुल्हन होंगे। क्योंकि हम उसकी देह के अंग हैं। हम येशू के साथ उसके सिंहासन पर बैठेंगे। येशू ने कहा

प्रकाशितवाक्य **३:२१** – जो जय पाए उसे मैं अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठने दूंगा, जैसे मैं भी जय पाकर पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठा हूं।

दुल्हा राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु के जैसे वहाँ प्यार का कालीन बिछाएगा। और वहाँ महिमा, सम्मान और प्रशंसा होगी। एक भोज हंसी के लिए किया जाता है और दाखरस संतोषमय करता है।

इस दुनिया में जो संतों ने सहा और परमेश्वर के सेवकों ने जो सुसमाचार के बीज बोएँ आँसुओं के साथ, हमारे परमेश्वर ने उनके लिए स्वर्ग में एक दावत तैयार किया है।

यशायाह **२५:६** – सेनाओं का यहोवा इस पर्वत पर समस्त जातियों के लिए एक विशाल भोज का प्रबन्ध करेगा; इस भोज में पुरानी मदिरा, उत्तम से उत्तम चिकना भोजन तथा निथरी हुई पुरानी मदिरा होगी।

हाँ अब कोई दुःख नहीं, कोई आँसू नहीं, जब हम हमारे प्रभु के साथ स्वर्ग में होंगे उसके मेज़ पर।

श्रेष्ठगीत **२:४** – वह मुझे भोज–गृह में ले आया है, और उसकी प्रेम की ध्वजा मुझ पर फहरा उठी।

मूसा मिस्र में **४०** साल रहा फिरौन की बेटी के पुत्र के रूप में। लेकिन फिर भी एक निर्णय लेना था, मिस्र में रहना या परमेश्वर के लोगों के साथ रहना।

पवित्र–शास्त्र कहता है इब्रानियों **११:२५** – उसने पाप के क्षणिक सुख भोगने की अपेक्षा, परमेश्वर की प्रजा के साथ दुख भोगना ही अच्छा समझा।

एलीशा को भी निर्णय लेना था कि या तो वह अपने पिता का खेती–बाड़ी का काम के या फिर नबी एलिय्याह के पीछे हो ले।

प्रभु ने देखा कि एलीशा अपने शरीर, मन और आत्मा के साथ एलिय्याह का पीछा कैसे कर रहा था और सी कारण प्रभु ने एलीशा दुगना आशीष दिया।

जब प्रभु ने अपने चेलों को बुलाया, उन्होने येशू का पीछा किया उनके नावों को छोड़कर और जालों का मरम्मत करना छोड़कर।

इसलिए, मेरे अति–प्रियों, अब समय है हमारे लिए कि हम निर्णय लें।

प्रकाशितवाक्य **२:१०** – जो क्लेश तु सहने पर है उनसे न डर। देखो, शैतान तुम में से कितनों को बन्दीगृह में डालने पर है कि तुम परखे जाओ, और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना पड़ेगा। प्राण देने तक विश्वासी रह–तब मैं तुझे जीवन का मुकुट प्रदान करूंगा।

परमेश्वर तुम्हें आशीष दें हमारी अगली मुलाकात तक।

पास्टर सरोजा म.

परमेश्वर हमारा अल्फ़ा और ओमेगा।

प्रकाशितवाक्य १:८ – प्रभु परमेश्वर, जो है, जो था, जो आनेवाला है और जो सर्वशक्तिमान है, यह कहता है, "मैं ही अल्फ़ा और ओमेगा हूं।" हमारा प्यारा परमेश्वर हमारा अल्फ़ा और ओमेगा है। हमारे जीवन में, वह आरंभ और अंत है, इस बीच, हम जो भी प्राप्त करते हैं जो भी हमारे जीवन मे पाते हैं, यह केवल परमेश्वर है जो महत्त्वपूर्ण है। वह केवल आदि और अंत नहीं, लेकिन जीवित सच्चाई भी है। वह हमारे साथ सदा है। वह हमारे सप्ताह को पूरा करता है महिने और वर्ष भी, इसलिए हमारे जीवन में परमेश्वर अल्फ़ा और ओमेगा है।हम देखते हैं कैसे दाऊद सदा परमेश्वर को धन्यवाद देता और स्तुति करता था। भजन संहिता १०८:१–२ – हे परमेश्वर, मेरा हृदय स्थिर है; मैं गाऊंगा, मैं अपनी आत्मा से भी तेरी स्तुति करूंगा। हे सारंगी और वीणा, जागो ! मैं भोर को जगा दूंगा। परमेश्वर की स्तुति यूँही करना और उसकी स्तुति सच्चे आत्मा से करना यह दो अलग वस्तुएँ हैं। जब हम परमेश्वर की स्तुति संपूर्ण मन से सच्चे आत्मा से करते हैं हम दुख और दर्द जो इस संसार के हैं, भूल जाते हैं, हम आनेवाले कल के बारे में नहीं सोचते हैं। हम उसकी स्तुति ऐसे करते हैं जैसे कि "आज का दिन हमे दिया गया है आराधना और स्तुति परमेश्वर की करने के लिए।" दाऊद ने भी परमेश्वर की आराधना और स्तुति की, जैसे कि, वह अल्फ़ा और ओमेगा है। उसने उसके बारे में सोचा कि वही परमेश्वर है जिसने उसको संभाला कल और आज और उसे हमेशा संभाला। हम देखते हैं पवित्र–शास्त्र में लूका १०:३०–३५ – येशु ने उत्तर दिया, "एक मनुष्य यरूशलेम से यरीहो को जा रहा था कि वह डाकुओं से घिर गया; उन्होंने उसे नंगा कर दिया, मारा–पीटा और अधमरा छोड़कर चल दिए। संयोग से एक याजक उस मार्ग से जा रहा था और जब उसने उसे देखा तो कतरा कर चला गया। इसी प्रकार एक लेवी भी उधर से निकला और उस स्थान पर पहुँचकर जब उसने उसे देखा तो कतरा कर चल दिया। परन्तु एक सामरी भी जो यात्रा कर रहा था वहाँ पहुँचा। जब उसने उसे देखा तो उसे तरस आया। उसने पास जाकर उसके घावों पर तेल और दाखरस उण्डेल कर उन पर पट्टियाँ बांधी। तब उसे अपनी सवारी पर चढ़ाकर एक सराय में ले आया जहां उसने उसकी सेवा–टहल की। दूसरे दिन उसने दो दीनार निकालकर सराय वाले को दिए और कहा, "इसकी सेवा–टहल करना। इस से अधिक जो खर्च आए, मैं लौटने पर चुका दूँगा।" यहाँ इस भाग में हम हमारे परमेश्वर का प्यार देखते हैं जो अल्फ़ा और ओमेगा है। पहले हम देखते हैं कि एक मनुष्य यरूशलेम से यरीहो जाता है, दूसरा, हम देखते हैं कि डाकुओं ने उस पर हमला किया, फिर हम देखते हैं याजक और लेवी वहाँ से गुज़र रहे हैं, लेकिन उस खून से लतपत मनुष्य को अनदेखा करते है। बाद में हम देखते हैं कि एक सामरी जो हमारा प्रभु येशु मसीह है, जिसे उस मनुष्य पर दया है उसे बचाता है। वह

उसे उठाता है, उसके घाँवों को साफ़ करता है और उसे एक सराय में ले जाता है और वहाँ उसे छोड़ता है। वह सामरी सराय वाले से कहता है कि वह इस मनुष्य का ध्यान रखे और उसे पैसें देता है और आश्वासन देता है कि वह फिर लौटेगा और सारा पैसा चुकाएगा जो इस मनुष्य के चंगा होने में खर्च होगा। हमारा परमेश्वर हमसे बहुत प्यार करता है – उसने पापियों से प्यार किया है और अच्छों पर अनुग्रह और दया भी करता है। इसलिए, हम पूर्ण हृदय से कह सकते हैं कि हमारा परमेश्वर अल्फ़ा और ओमेगा है। उसका प्यार न बदलनेवाला है, यह ज़रूरी है हमारे लिए कि हम उसके प्यार में बंधे रहे। हम उसे प्यार करने से पहले, उसने हमसे प्यार किया। वह ज़रूर लौट आएगा, उसने सराय वाले से सिर्फ़ यह नहीं कहा कि वह लौट आएगा बल्कि उसने यह कहा "मैं लौट आऊँगा और सारे कर्ज़ को चुकाऊँगा।" उसने यह भी कहा "इसका ध्यान रखना और इसे संभालना।" हम पढ़ते हैं यशायाह **४०:१** – तुम्हारा परमेश्वर कहता है, "मेरी प्रजा को शांति दो, शांति!" प्रभु कहता है "मेरी प्रजा को शांति दो, उनके घावों को चंगा करो।" जब वह मनुष्य यरूशलेम छोड़कर यरीहो गया, डाकुओं ने उसे नंगा किया और बुरी तरह से उसे ज़ख्मी किया और उसे अर्ध–मरा छोड़ दिया। इसलिए हमारा प्रभु आज कहता है "ज़ख्मों को चंगा करों और मेरी प्रजा को शांति दो, मैं फ़िर लौट आऊँगा।" हाँ – दुष्ट हमे अलग–अलग तरीकों से ज़ख्मी करता है, हमारे जीवनों में दुख और दर्द ले आता है। लेकिन हमारा परमेश्वर ज़ख्मियों को चंगा करने आया है, हमारे ज़ख्मों पर बाम लगाने और उसे चंगा करने। हम दुष्ट द्वारा ज़ख्मी किए गए हैं – हम दुख और दर्द में हैं। बाम हमारे जीवन में क्या है? यह "वचन" है, वचन हमे मज़बूत करता है, दिलासा देता है और सच्चाई हमारे जीवन में लाता है। इसलिए प्रभु कहता है सराय वाले से, उनके लिए जो दुष्ट द्वारा घायल है, ज़ख्मियों को चंगा करों – उनको संभालो मेरे फिर लौट आने तक, मैं प्रतिफल भी फिरसे लाऊँगा। हम देखते हैं इस दुनियाँ में कैसे लोग उनको जो प्यार दिया गया है उसे याद नहीं रखते; जो सहारा उन्होने पाया वे भूल जाते हैं और जो शांति उन्हे मिली, उन्होने त्याग दिया, पर हमारा परमेश्वर कभी नहीं भूलता। भजन संहिता **१४७:३** – वह टूटे मन वालों को चंगा करता और उनके घावों की मरहम–पट्टी करता है। हमारा परमेश्वर टूटे–दिलों को चंगा करता है और उनके घाँवों को चंगा करता है। यह संसार लड़ेगा और हमे ज़ख्मी करेगा और हमे गिराएगा। लेकिन परमेश्वर हमे आश्वासन दिलाता है कि जो दुष्टों द्वारा घायल किए गए हैं, वह उनको बाम मलकर चंगा करेगा। नबी यिर्मयाह कहता है यिर्मयाह **३०:७** – हाय! वह दिन कैसा भयंकर है, कोई अन्य दिन उसके समान नहीं; यही दिन याकूब के उत्पीड़न का है, परन्तु वह इससे छुड़ा लिया जाएगा। संकट के समय चाहे जो भी हो जो दुष्ट हम पर लाता है; हमारा परमेश्वर हमे उन सबसे बचाएगा। उस मनुष्य के जैसे जो मारा गया था और रास्ते पर अर्ध–मरा फ़ैका गया था, उसकी चिन्ता करने के लिए कोई नहीं था तब तक कि अच्छा सामरी "येशु मसीह" वहाँ से गुज़रा और उसका ध्यान किया और उसको सराय वाले को सौंप दिया उसके लौट आने तक ध्यान रखने के लिए। परमेश्वर कहता है अंत के समयों के बारे में कि वही दुख और दर्द हम पर भी गिरेगा और हम कल्पना नहीं कर सकते अंत के समय के जोखिम का; लेकिन हमारा परमेश्वर जिसने उसके जान को हमारे लिए क्रूस पर बलिदान दिया, वह ज़रूर हमे एक और बार बचाएगा। इसलिए हमे हमारे परमेश्वर की स्तुति और महिमा करना है। यह अब है कि हमे परमेश्वर के वचन को हमारे भीतर बचा कर रखना है, क्योंकि एक समय आएगा जब वचन हमारे लिए उपलब्ध नहीं रहेगा। जैसे जैस वह घायल मनुष्य से खून बह रहा था, मदद के लिए चिल्ला रहा था और वेदना मे रो रहा था, लेकिन हमारा प्रभु परमेश्वर उसकी मदद के लिए आया और उसकी जान को बचाया, वाकई अंत का समय और भी बुरा होगा, हम कलपना नहीं कर सकते अंत के समय का क्लेश और दर्द के बारे में, जब कोई भी नहीं होगा हमे दिलासा देने के लिए। लेकिन हमारा परमेश्वर हमारा ध्यान रखने के लिए लौट आएगा। जैसे नबी यिर्मयाह ने कहा "वह दिन महान होगा और उस जैसा कोई नहीं होगा, महा संकट हम पर गिरेगा लेकिन हमारा परमेश्वर हमे बचाएगा।" हमारा परमेश्वर येशु मसीह उसके लोगों को जानता है, उनके क्लेश, दुख और दर्द। वह है जो हमे एक और बार बचाएगा। इस प्रकार पिता परमेश्वर ने उसके बेटे येशु मसीह को अभिषेकित किया और उसे इस संसार में हमारे लिए भेजा। येशु मसीह ने दुष्ट की

हर योजना को कलवरी के क्रूस पर हराया और आज हम अनाथ नहीं हैं लेकिन हमारे संग हमारा परमेश्वर है, वह हमारे मध्य है वह हमारे दुख और दर्द को जानता है, केवल वह हमे अंत के समय बचाएगा। उदा – हम जानते हैं कि "ए टू झेड़" नाम के दुकाने हैं, हम उम्मीद करते हैं वहाँ पर हर चीज़ प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन जब हम अंदर जाते हैं और कुछ पूछते हैं, तब दुकानदार कहता है कि वह उपलब्ध नहीं है। इसलिए "ए टू झेड़" नाम उच्चित नहीं है। इसी प्रकार जब हम कहते हैं कि हम विश्वासी हैं जब हमारा परमेश्वर हमारी भेट करता है और यह उम्मीद करता है कि उसके बच्चों में सारे गुण होंगे जो वह हम में पाना चाहता है, यह बहुत ही शरम की बात होगी अगर वही हम में नहीं हो। हम में यह सारे गुण होने चाहिए जो परमेश्वर हमारे भीतर ढूँढ़ता है। इस लिए, हमे इस संसार को और हमारे इर्द–गिर्द लोगों को खोना होगा, लेकिन याद रखें हम में परमेश्वर के गुण भरे होने चाहिए। परमेश्वर ने इस संसार को बनाया है और सारे लोगों को उसमें। इसलिए, उसका प्यार हमारे जीवनों में सबसे महत्त्वपूर्ण है। जब हमारे भीतर उसका प्यार होता है, वह इस संसार पर जय पा सकते हैं। बहुत से लोग कहते हैं – हम विश्वासी हैं हम प्रभु का भय मानते हैं, और हम "ए टू झेड़" हैं। लेकिन जब प्रभु परमेश्वर हमारी भेट लेता है और इन गुणों को हमारे भीतर नहीं पाता है, वह दुखित और मायूस हो जाएगा। परमेश्वर ने हमे उसके ही रूप में बनाया है, इसका मतलब क्या है? हम इस संसार के लोग, अलग हैं, एक व्यक्ति जो यू. एस. ए से है एक भारती, या फिर एक अफ़्रिकी या एक चीनी से अलग है। हम में से कोई गोरे हैं तो कोई काले। परमेश्वर के ही रूप में यानी उसने हमे उसकी महिमा में और उसकी छाया में बनाया है। हमारा शक्तिमान परमेश्वर नीचे हमारे पास आया है, क्योंकि हमारा शरीर उसका मंदिर है और हमे दुष्ट द्वारा धोखा नहीं खाना चाहिए हमारे जीवन में। तुम और मैं हम डाकुओं द्वारा पकड़े नहीं जाने चाहिए रास्ते में, और हम घायल या खून से लतपत या नंगा रास्ते में पड़े नहीं होने चाहिए। हमारा प्रभु ने हमसे बहुत प्यार किया है कि वह स्वर्गीं को छोड़कर इस संसार में सुतार का पुत्र बनके आया। कलपना करो कि हमे कितना दीन बनना होगा। हमारा परमेश्वर बहुत महान और शक्तिमान होकर राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु होकर भी उसने इस संसार में आना चुना एक बहुत ही दीन तरीके सें। हम में से कुछ अपने बारे में बहुत महान समझते हैं, हम सोचते हैं कि हम "ए टू झेड़" हैं और हम सब कुछ जानते हैं। हम अपने सफलताओं के कारण बहुत घमण्ड़ी हैं और सोचते हैं कि हमने सब कुछ हमारे खुद के कार्यीं से पाया है। लेकिन हमे हमेशा परमेश्वर के सामने दीन होना चाहिए और याद रखना है कि प्रभु के बिना हमारा कोई मूल्य नहीं हैं। हम एक बड़ा "०" और यह केवल तब है जब परमेश्वर हमारे जीवन में आता है, हम "१०" बनते हैं और हम जीवन में मूल्य पाते हैं। हम जानते हैं एक घटना के बारे में २ राजा छटवे अध्याय में नबी एलीशा के बारे में। दूसरे नबियों के बच्चें एलीशा से कहते हैं कि जिस घर में हम रहते हैं वह छोटा है, इसलिए हम कुछ लकड़ी काटने जा रहे हैं हमारे लिए नया घर बनाने के लिए। एलीशा उन्हे जाने देता है, लेकिन उस पूरे झुंड़ में एक बुद्धिमान व्यक्ति था, वह विनती करता है कि एलीशा उनके साथ आए। इसलिए, एलीशा उनके साथ जाता है। इसी प्रकार, अगर हम हमारे प्रभु परमेश्वर को हमारे संग रहने के लिए बुलाते हैं वह कभी मना नहीं करेगा बल्कि हमारे साथ आएगा। लेकिन हमे उसे हमेशा निमंत्रण देना चाहिए। वह एक परमेश्वर नहीं जो हमारे जीवनों में ज़बरदस्ती आएगा। याद करो, काना के शादी में जहाँ मरियम और उनके पुत्र येशु को आमंत्रित किया गया और वें गए? हाँ – हमारे जीवन के कोई भी परिस्थिति में, जब हम परमेश्वर को सच्चाई से आमंत्रित करते हैं, वह ज़रूर हमारे जीवनों में आएगा और हमारे साथ रहेगा। अब, जब बच्चें पेड़ के लकड़ी को काटने लगे, कुल्हाड़ी का सिरा नदी में गिर गया। क्या तुम सोचते हो कि कुल्हाड़ी का सिरा अचानक पानी में गिर गया? नहीं – उसने कई चिन्ह दिखाए होंगे, वह ढ़ीला पड़ गया होगा और ज़रूरी था कि कसकर उसे सही किया जाए। लेकिन लोगों ने ध्यान नहीं दिया उस चेतावनी पर और कुल्हाड़ी से लकड़ी काटते रहे। इस तरह कुल्हाड़ी का सिरा नदी में गिर गया। इसी प्रकार हमारे जीवन भी कई चिन्ह दिखाते हैं जब हम परमेश्वर से दूर जाते हैं हमारा परमेश्वर हमे प्यार से ताड़ना देता है और हमारी गलतियों को दिखाता है, लेकिन हमे उसपर ध्यान देना चाहिए। उदा – जब कार चलाते हैं, कार चिन्ह बताता है कि पेट्रोल की टँकी खतम हो रहा है और ईंधन खतम हो चुका। हमे उस पर ध्यान देना हैं और टँकी को फिर भरना हैं नहीं तो कार अचानक बंद पड़ जाएगा। इसी प्रकार जब कुल्हाड़ी का

सिरा नदी में गिरता है, वे चिल्लाने लगे और एलीशा से कहने लगे कि कुल्हाड़ी माँगा हुआ था और उन्हे उसे उसके मालिक को लौटाना था। याद रखना, जब हम प्रभु के लोगों के साथ एकता नहीं रखना चाहते है तब हम भी हमारे जीवन में ऐसे परिस्थितियों का सामना करेंगे। शिमशोन परमेश्वर द्वारा चुना गया था प्रभु के लोगों को बचाने के लिए, लेकिन शिमशोन ने क्या किया? उसने परमेश्वर के कार्य को छोड़कर वेश्या के प्रलोभन में गिरा। अंत में वह हराया गया और उन्होने उन्हे झंजीरों में बाँधकर और उसे अंधा बनाया एक विदूषक की तरह। उन्होंने उसको उपहास का पात्र बनाया मनुष्यों के बीच। इसी प्रकार हम दाऊद के जीवन को देखते हैं कैसे उसे परमेश्वर ने उसके लोगों के लिए युद्ध करने के लिए चुना और उन्हे छुड़ाने के लिए। लेकिन युद्ध में जाने के बदले वह एक स्त्री के ओर आकर्षित हुआ और इस तरह उसका पतन हुआ। यह सच्च है कि बहुत से लोग जो परमेश्वर से दूर गए हैं, उनको अपमानों का सामना करना पड़ा, दुख और दर्द उनके जीवनो में। दूसरे नबियों के बच्चें जो अलग सा ठिकाना बनाना चाहते थे, लकडी काटने गए एक माँगे हुए कुल्हाड़ी के साथ और वें एक ऐसे परिस्थिति में आ गए जहाँ कुल्हाड़ी का सिरा नदी में गिर गया। नबी एलीशा उनके लिए एक चमत्कार करता है; वह एक पेड़ के ड़ाली का टुकड़ा काटता है और उसी जगह में फैंकता है जहाँ कुल्हाड़ी का सिरा गिरा और तुरंत कुल्हाड़ी का सिरा तैरते हुए पानी के बाहर आ गया। इसी प्रकार, हमारा प्रभु येशु मसीह पेड़ की टहनी है जो हमारे लिए काटा गया हो। जब येशु क्रूस पर तड़प रहा था, एक क्षण के लिए उसका पिता जो स्वर्ग में है उसे त्याग देता है। येशु मसीह क्रूस पर से रो रहा था "स्वर्ग में पिता तू ने मुझे क्यों त्यागा?" हमारा पिता जो स्वर्ग में है क्रूस पर येशु मसीह को क्यों त्यागा? तुम्हारे और मेरे लिए, हमारे लिए, उनके लिए जो पापों में डूबे हैं, जो अकेलेपन में हैं और उदास हैं। येशु मसीह पेड़ की ड़ाली है जो हमारे लिए कटा है जैसे हम पढ़ते हैं यशायाह **११:१** – तब यिशै के ठूंठ में से एक अंकुर फूट निकलेगा, हां, उसकी जड़ में से एक शाखा निकलकर फलवन्त होगी। लकड़ी के टुकड़े को पानी में ड़ालने से, लोहे का बना हुआ कुल्हाड़ी का सिरा ऊपर तैरते हुए आया। इस प्रकार जब हम परमेश्वर के साथ हैं, हमारा पाप और बीमारी चाहे कितना भी गहरा हो, हम तुरंत तैरकर किनारे में आ सकते है। येशु जीवित सच्चाई है, यह हमारा विश्वास होना चाहिए। वी प्रथम और अंतिम, अल्फा और ओमेगा है हमारे जीवनों में। इसके बिना हमारा विश्वास मज़बूत नहीं हो सकता। प्रेरित पौलुस कहता है इब्रानियों **१२:१** – इस कारण जबकि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमें घेरे हुए है, तो आओ, प्रत्येक बाधा और उलझाने वाले पाप को दूर करके वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है धीरज से दौड़ें। हमारे लिए हमारे विश्वास का आरंभ और अंत परमेश्वर है। हमने बहुत सारे गवाहीयाँ हमारे जीवनों में देखा है। वह सत्य और मार्ग है। उत्पत्ति **१:१** – आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की। परमेश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी बनाया, उसके पहले इस संसार में कुछ नहीं था। वह आदी और अंत है। हमारे जीवन में, वह हमारा सब कुछ है। वह हम पर नज़र रखता हैं उन सारी चीज़ो में जो हम उसके लिए करते हैं। हमारे जीवन का हर एक युद्ध उसका है। व्यवस्थाविवरण **२०:१**,३ – "जब तू अपने शत्रुओं के विरूद्ध युद्ध करने को निकले और अपने से अधिक घोड़े, रथ और सेना देखे तो उनसे मत डरना क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा जो तुझे मिस्र देश से निकाल लाया वह तेरे साथ है। परमेश्वर के लोगों को कई युद्धों को लड़ना होगा उनके जीवन में दुष्ट के विरूद्ध, शत्रु के विरूद्ध आदि। प्रभु कहता है कि "अगर तुम घोड़ों को और रथों को देखोगे तो उनसे नहीं ड़रना। याद रखो, मैं तुम्हारे साथ हूँ जिसने तुम्हे मिस्र से बाहर लाया।" अगर यह वचन हमारे हृदय में और मन में बस जाता है तो हम कभी डगमगाएँगे नहीं। हम कमज़ोर हो जाते हैं जब हम भूल जाते हैं कि परमेश्वर ने हमे मिस्र से छुड़ाकर बाहर लाया है। परमेश्वर ने हमे आश्वासन नहीं दिया कि दुष्ट हम पर आक्रमण करेगा या हमारे शत्रु हमारे विरूद्ध लड़ाई हीं करेगा। बल्कि येशु ने आश्वासन दिया कि "अगर उन्होने यह मेरे संग किया तो तुम्हारे संग भी करेंगे। लेकिन, साहस रखो, मैंने संसार पर जय पाया है।" हमे तैयार रहना है उन सारे चुनौतियों का सामना करने के लिए जो शत्रु हम पर फैंकता है। वे बहुत–से लग सकते हैं लेकिन हमे लोगों की गिनती देखकर ड़रना नहीं है और हमे विश्वास करना है कि परमेश्वर हमारे साथ है।

वह उनसे कहे, "हे इस्राएल सुन! आज तुम लोग अपने शत्रुओं से युद्ध करने जा रहे हो। तुम्हारा मन कच्चा न हो। भयभीत न हो, और उनके सामने न तो आतंकित होओ न थरथराओ।" और हम जो परमेश्वर के बच्चे है, वह कहता है,

"हे इस्राएल, मेरी सुन, तुम युद्ध लड़ने जाते हो, एकता में रहो, अपने आप को भ्रमित न करो और थरथराओ, मैं तुम्हे जीत दूँगा। हमे सदोम और अमोरा के लोगों जैसे नहीं होना है जिन्होने जीवन ऐयाशी, खाने पीने और मज़ा उड़ाने में बिताया। वें परमेश्वर को भूल गए। हमें जीवन में हमेशा सकेत रहना हैं और हमारे विश्वास को और भरोसे को परमेश्वर पर ड़ालना हैं जिसने हमे मिस्र से बाहर लाया है। उदा – जब हम एक नया दोस्त बनाते हैं, हम तुरंत उसका संपर्क नंबर हमारे मोबाईल पर सामयिक बनाते हैं। इसी तरह, हमे भी हमारे हृदय को और मन को परमेश्वर के वचन से सामयिक बनाना हैं, ताकि हम भूले नहीं। जब मोबाईल काम करना बंद करता है, सारा मेमोरी मिट जाता है, लेकिन इसके विपरित परमेश्वर का मेमोरी हमारे जीवनों में से नहीं मिटना चाहिए, हमे उसके वचन को हमारे हृदय में हमेशा बचाकर रखना हैं। भजन संहिता **४८:१४** – क्योंकि यह है परमेश्वर जो सदा–सर्वदा हमारा परमेश्वर है। मृत्यु तक वह हमारी अगुवाई करेगा। हमारा परमेश्वर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करेगा, हमारे मरने तक भी, हमेशा–हमेशा के लिए। हमारे परमेश्वर का नेटवर्क कभी डाऊन नहीं होता। हमे हमारे जीवन में परमेश्वर को हमेशा पहला स्थान देना चाहिए। यूहन्ना **१:१** – आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। जब युद्ध में जाते समय, परमेश्वर कहता है, व्यवस्थाविवरण **२०:४,६–७,१०–१५** क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तम्हारे शत्रुओं से युद्ध करने और तुम्हें बचाने के लिए तुम्हारे संग संग चलता है। अब हम देखते हैं कि कैसे हमारा परमेश्वर हमारे लिए योजना करता है परमेश्वर क्यों एक प्रकार के लोगों को युद्ध में जाने का आदेश क्यों नहीं देता। और क्या कोई ऐसा है जिसने दाख की बारी लगाई और उसका फल नहीं चखा? वह भी अपने घर चला जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मारा जाए और अन्य कोई उसके बदले फल चखे। क्या कोई ऐसा है जिसने किसी स्त्री से मंगनी तो की है, परन्तु विवाह नहीं किया? वह भी अपने घर को चला जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मारा जाए और अन्य कोई उस स्त्री को ब्याह ले। हमारा परमेश्वर जानता है कि यह युद्ध में रूकावट ला सकता है। याद करो लूत की पत्नी को जिसने पीछे मुड़कर देखा कि क्या हो रहा है और नमक का खंबा बन गई। इसलिए कलपना करो कि हृदय में दर्द है उस चीज के लिए जो पीछे छूट गया है एक युद्ध में हार सकता है, इसलिए परमेश्वर की आज्ञा है कि ऐसे लोगों को साथ न ले जाए। यह भी याद रखना कि यहोशू ने लोगों को चेतावनी दी जब वें यरीहो में युद्ध के लिए गए, यरीहो से कुछ न ले क्योंकि वह श्रापित था। लेकिन हम वहाँ देखते हैं कि एक व्यक्ति के आज्ञा न मानने के कारण वें युद्ध हार गए। जब यहोशू ने परमेश्वर से पूछा "आपने हमे भेजा और आपने हमे जीत का वादा किया, क्यों परमेश्वर हम युद्ध हार गए? उस समय, परमेश्वर ने सच्चाई को प्रकाशित किया। इसी प्रकार, यहाँ, इस वचन में व्यवस्थाविवरण **२०:६–७** – परमेश्वर समझाते है, क्यों ऐसे लोगों को युद्ध में नहीं ले जाना है, वे दो मन में होंगे, वहाँ एकात्मकता और एकता नहीं होगा। जब तू किसी नगर के विरूद्ध युद्ध करने जाए तो पहले उस के सामने सन्धि–प्रस्ताव रखना। फिर ऐसा हो कि यदि वह तेरे साथ सन्धि करना चाहे और तेरे लिए फाटक खोल दे तो उसमें जितने लोग पाए जाएं वे सब तेरे लिए बेगार करनेवाले ठहरें और तेरी सेवा करें। परन्तु यदि वह सन्धि करना न चाहे और तुझ से युद्ध करने निकले तो तू उसे घेर लेना जब तेरा परमेश्वर यहोवा उसे तेरे हाथ में कर दे तो तू उस में के सब पुरूषों को तलवार के घाट उतार देना। केवल स्त्रियों, बच्चों, पशुओं और जो कुछ उस नगर में हो अर्थात् उसकी सारी सम्पत्ति को अपनी लूट के रूप में रख लेना, और तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे शत्रुओं की जो सम्पत्ति तुझे देगा उसे तू रख लेना। ऐसा तू उन सब नगरों से करना जो तुझ से बहुत दूर हों और जो यहां की जातियों में से न हों। परमेश्वर कहता है कि पहले शांति बना उसके बाद सारे पुरूषों को मार ड़ालो और फिर उनके बच्चों और पतनियों को संभालो। यह आज्ञाए है जो परमेश्वर ने उन समयों में इस्राएलियों को दिया था। परमेश्वर ने उसके नबियों और सेवकों से बात किया लेकिन मनुष्यों के आमने–सामने नहीं प्रकट हुआ। परमेश्वर को अगर किसी ने आमने–सामने देखा होता तो वह जी नहीं सकता। परमेश्वर उसके लोगों से उसके चुने हुओं के द्वारा बात करता है थोड़े समय के लिए और फिर तुरंत गायब हो जाता था। लेकिन अब परमेश्वर ने सब कुछ बदल दिया है; वह एक दोस्त जैसे आया हमारे लिए ताकि हम अंधे न रहे और यह कि हम उसपर विश्वास करे। जिन्होने उसे देखा, उसपर विश्वास किया और उसे अपनाया, चंगाई पाए और छुड़ाए गए। हमारे परमेश्वर ने अपने प्राण को हमारे लिए क्रूस पर दिया और इस प्रकार हमे विजय दिया। हमे यह सच्चाई दूसरों से कभी

नहीं छिपाना चाहिए लेकिन हमे यह सच्चाई की चर्चा लोगों में करनी चाहिए। हमारा परमेश्वर अल्फा और ओमेगा है, यह सच्चाई है। केवल वह मार्ग है और कोई और मार्ग हमारे जीवन में नहीं है। भजन संहिता **१०२:२५** – आदि में तू ने पृथ्वी की नींव डाली, आकाश तेरे हाथ की कारीगरी है। परमेश्वर ने इस पृथ्वी का नींव रखा है, स्वर्ग से लेकर पृथ्वी तक सारी चीज़े उसी के हाथों की रचना है नितिवचन के ८ वे अध्याय में एक वचन है, नबुवत का हमारे प्रभु येशु मसीह के बारे में यह कहते हुए। नीतिवचन **८:२३–२४** – मैं तो सनातन से अर्थात् आदि से वरन् पृथ्वी के आरम्भिक काल से ठहराई गई हूँ। जब न तो गहरे सागर थे, न जल से भरे सोते थे, तब ही मैं उत्पन्न हुई। प्रभु येशु कहता है कि वह अनंत के समय से बनाया हुआ है, आदी से अंत तक, तब भी जब पृथ्वी पानी से भरा हुआ था। नीतिवचन **८:३०–३१** – तब मैं एक कुशल कारिगर जैसी उसके साथ थी। प्रतिदिन मैं मग्न रहती, और सदा उसके सम्मुख आनन्द मनाती थी। मैं इस जगत से अर्थात् उसकी पृथ्वी से प्रसन्न थी, तथा मेरा आनन्द मानवजाति में था। हमारे प्रभु येशु मसीह हमारे स्वर्गीय पिता के संग था और वह प्यार से उसके पिता के साथ आनंद मना रहा था। उसने यह सब आनंद त्यागा, हमारे कारण और इस संसार में आया। इसलिए, हमे प्रभु के लिए कार्य करना हैं और उसके कार्यों को इस संसार में करना है और हम साहसपूर्वक कह सकते हैं जैसे दाऊद ने भजन संहिता **२३:१** में कहा – यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी। हम किससे डरेंगे, और क्यों डरेंगे? भजन संहिता **२३:५–६** – तू मेरे शत्रुओं के सामने मेरे लिए मेज़ लगाता है, तू ने मेरे सिर पर तेल उण्डेला है, मेरा प्याला उमड़ रहा है। निश्चय भलाई और करूणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी, और मैं यहोवा के घर में सर्वदा वास करूंगा। जब हम यह सच्चाई को जानते हैं तब हम किसी भी बात की चिंता नहीं करेंगे। हम साहसपूर्वकता और दृढ़ता से कह सकते हैं "निश्चय भलाई और करूणा जीवन भर हमारे साथ साथ बनी रहेंगी।" यूहन्ना लिखता है पतमुस के बंदी–गृह से उनके बारे में जिन्होने इस संसार में सारे क्लेशों पर विजय पाया है, जैसे प्रकाशितवाक्य **१४:४–७** में कहा – ये वे हैं जिन्होंने अपने आप को स्त्रियों के साथ भ्रष्ट नहीं किया क्योंकि वे कुंवारे हैं। ये वे ही हैं जो मेमने के पीछे पीछे जहां कहीं वह जाता है चलते हैं। ये परमेश्वर और मेमने के लिए प्रथम फल होने को मनुष्यों में से मोल लिए गए हैं। उन में झूठ नहीं पाया गया और वे निदोष हैं। फिर मैंने एक और स्वर्गदूत को मध्य आकाश मे उड़ते देखा। उसके पास पृथ्वी पर रहनेवाली हर जाति, कुल, भाषा और लोगों को सुनाने के लिए अनन्त सुसमाचार था। उसने ऊंची आवाज़ से कहा, "परमेश्वर से डरो और उसकी महिमा करो; क्योंकि उसके न्याय का समय आ पहुंचा है। उसी की उपासना करो जिसने स्वर्ग, पृथ्वी, समुद्र और जल के सोते बनाए।" परमेश्वर, जिसने इन सारी चीज़ों को रचाया उसकी हम महिमा और आराधना सच्चाई में करे। अंत के समयों में, हम चाहे कितना भी पाप में डूबे हो, हमारा दुख और दर्द चाहे कितना भी हो, हमारे परमेश्वर के संग हम ज़रूर इस संसार के हर युद्ध को जीतेंगे। जहाँ परमेश्वर है और उसके लोग है, हम वचन पाएँगे, हम सच्चाई पाएँगे। याद रखो, परमेश्वर जीवित है और हमारे बीच और हमारे भीतर रहता है, वह आदी और अंत है, वह अल्फ़ा और ओमेगा है। उसने सब कुछ बनाया है और उसके बिना कुछ भी नहीं है। वह हमारे पापों को जानता हैं हमारी कमज़ोरियों को और हमारे निकम्मेपन को। वह हमे संसार के सारे पापों से बचाने के लिए आया। हमारे प्रभु येशु ने अपना स्वर्गीय राज्य और अपने पिता परमेश्वर के गोद को छोड़कर आया जिसके साथ वह आनंद मना रहा था स्वर्ग में। क्रूस पर उसने अपना अनमोल जीवन तुम्हारे और मेरे लिए दिया और अपना विजय पाया दुष्ट पर। हम चाहे कितने भी गिरे हो आज परमेश्वर हमे उठाने के लिए तैयार है। नबियों के बच्चों जैसे जिन्होने ढ़ीले कुल्हाड़ी पर ध्यान नहीं दिया और फिर नबी एलीशा की ओर मदद के लिए दौड़ते है, इस तरह आज हमारा प्रभु येशु मसीह पेड़ की ड़ाली है जो हमारे लिए भेजा गया हैं। अगर हम डूब रहे हैं, वह हमे हमारे पापों से तैर कर बाहर आने में मदद करेगा। वह हमारा शक्तिमान परमेश्वर है और हम पर दया और अनुग्रह करेगा। प्रभु हम में से हर एक को उसके वचन से आशिषित करें।

पास्टर सरोजा म.